| उ. पु. क्रमांक | अनुक्रमांक (अंकों में) | अनुक्रमांक (शब्दों में) |
|---|---|---|
| 1347278 | 1191122002 | ONE ONE NINE ONE ONE TWO TWO ZERO ZERO TWO |

परीक्षार्थी का नाम YOGESH SAHU

| परीक्षा की तिथि | परीक्षा केन्द्र क्रमांक | विषय कोड | विषय का नाम | प्रश्न पत्र सेट |
|---|---|---|---|---|
| 09-03-2019 | 11021 | 512 | SANSKRIT (GENERAL) | C |

भाग-A

नोट: 1. परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका पर अंकित रोल नंबर, नाम, विषय का कोड, विषय का नाम, परीक्षा दिनांक चैक करके हस्ताक्षर करें तथा छात्र अपना प्रश्न पत्र का सेट अंकित करें।

2. पर्यवेक्षक उत्तर पुस्तिका पर अंकित परीक्षार्थी का नाम एवं रोल नंबर, विषय का कोड, विषय का नाम, परीक्षा की दिनांक चैक करके संबंधित छात्र को संबंधित उत्तर पुस्तिका प्रदान करें तथा भाग A एवं B पर आवश्यक रूप से प्रश्न पत्र सेट को अंकित कराने के पश्चात निर्धारित स्थान पर हस्ताक्षर करें।

Y.Sahu — परीक्षार्थी के हस्ताक्षर

Smt. K. Jhariya — पर्यवेक्षक का नाम

Kuraya — पर्यवेक्षक का हस्ताक्षर

CN.No.11021 — केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर एवं सील

फ्लेप को यहां पर चिपकायें

भाग-B (निर्देश पृष्ठ के पीछे की ओर देखें)

परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का सेट अंकित करें।

विषय कोड 512 — प्रश्न पत्र सेट A, B, C, लिखें: C

विषय: SANSKRIT (GENERAL)

परीक्षा का नाम: HIGH SCHOOL MAIN EXAM-2019

माध्यम: ENGLISH

परीक्षा केन्द्र क्रमांक: 11021

परीक्षक द्वारा भरने हेतु

| प्रश्न क्रमांक | प्राप्तांक | प्रश्न क्रमांक | प्राप्तांक | प्रश्न क्रमांक | प्राप्तांक |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 11 | 3 | 21 | |
| 2 | 1 | 12 | 4 | 22 | |
| 3 | 2 | 13 | 4 | 23 | |
| 4 | 2 | 14 | 4 | 24 | |
| 5 | 2½ | 15 | 7 | 25 | |
| 6 | 3 | 16 | 5 | 26 | |
| 7 | 3 | 17 | 6 | 27 | |
| 8 | 3 | 18 | 15 | 28 | |
| 9 | 2 | 19 | | 29 | |
| 10 | 3 | 20 | | 30 | |

प्राप्तांक: 073 — पूर्णांक: 75

(प्राप्तांक शब्दों में) तिहत्तर

4359300

3301

2019 ①

5 = 5
पृष्ठ 1 के अंक कुल अंक

उत्तर क्रं => 1

i) उ० => रामोऽत्र (विसर्ग संधि)

ii) उ० => त्वङ्करोषि (व्यंजन संधि)

उत्तर क्रं => 2

i) उ० => भ्रातृत्वम् = भ्रातृ + त्व

ii) उ० => माङ्गलिकः = मङ्गल + ठ्‌न्

उत्तर क्रं => 3

i) उ० => 107 = सप्ताधिकं शतम्

ii) उ० => 148 = अष्टचत्वारिंशदधिकं शतम्

(P.T.O)

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

②

5 + 10 = 15

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 2 के अंक | कुल अंक

उत्तर क्रं ⇒ 4

i) उ० ⇒ कर्तृवाच्य

ii) उ० ⇒ कर्मवाच्य

उत्तर क्रं ⇒ 5

i) उ० ⇒ हा नास्तिकः ।

ii) उ० ⇒ श्री गुरुवे नमः ।

iii) उ० ⇒ धनं ऋते न सुखम् । (अथवा) / धनात ऋते न सुखम् ।

उत्तर क्रं ⇒ 6

i) उ० ⇒ पितरौ = माता च पिता च । ( द्वन्द्व समास )

ii) उ० ⇒ व्यवहारकुशल: = व्यवहारे कुशल: । ( तत्पुरुष समास )

(P.T.O)

www.STUDYDISCUSS.IN
2019
CGBSE

2019 ③

9½ + 3 = 12½

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 3 के अंक | कुल अंक

3

iii) उ० → श्वेताम्बरा → श्वेतं अम्बरं यस्या सा ( सरस्वती: ) ।
( बहुव्रीहि समास )

उत्तर क्र. - 7

i) उ० → कृ (पर. पद) - लट् लकार - प्र. पु.

| पुरुष | एकवचन | द्विवचन | बहुवचन |
|---|---|---|---|
| प्रथम पुरुष | करोति | कुरुत: | कुर्वन्ति |

ii) उ० → कथ् (आत्मने पद) - लङ् लकार - म. पु

| पुरुष | एकवचन | द्विवचन | बहुवचन |
|---|---|---|---|
| मध्यम पुरुष | अकथयथा: | अकथयेथाम् | अकथयध्वम् |

(P.T.O)

CGBSE
www.studydiscuss.in

iii) उ० ⇒ लिख् (पर. पद.) - विधिलिङ् - उ. पु.

| पुरुष | एकवचन | द्विवचन | बहुवचन |
| --- | --- | --- | --- |
| उत्तम पुरुष | लिखेयम् | लिखेव | लिखेम |

(3)

उत्तर क्र ⇒ 8

⇒ बिलासा अपने कार्य से न केवल अपने समाज में बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ प्रान्त में सम्मानीत है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मछली पालन क्षेत्र में प्रोत्साहन के लिए उनके नाम से 'बिलासाबाई केंवटिन' यह पुरस्कार प्रतिवर्ष दिया जाता है। और भी उनके नाम से बिलासपुर में बिलासा तालाब, बिलासा - कन्या-स्नातकोत्तर - महाविद्यालय, बिलासा चौराहा इत्यादि गौरवान्वित है।

(2)

C G B S E

www.studydiscuss.in

(P.T.O)

18½ + 6 = 24½

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 5 के अंक कुल अंक

उत्तर क्रं ⇒ 9

⇒ किसी निर्धन व्यक्ति ने बहुत परिश्रम कर कुछ धन अर्जित किया। वह अपने पुत्र को एक महाविद्यालय में प्रवेश दिलाने में सफल हुआ। उसका पुत्र वहीं छात्रावास में निवास कर अध्ययन करने में संलग्न हुआ। एक दिन वह पिता, पुत्र की बिमारी के विषय में सुनकर व्याकुल हो गया और पुत्र को देखने के लिए प्रस्थान किया। अत्यधिक धनाभाव से पीड़ित होने के कारण वह बस यान को छोड़कर पैदल ही चल पड़ा।

3

उत्तर क्रं ⇒ 10

प्रत्येक पर्वत पर मणि नहीं होता, प्रत्येक हाथी के मस्तक पर मोती नहीं होता। सभी जगह सज्जन पुरुष नहीं मिलते तथा प्रत्येक वन में चन्दन के वृक्ष नहीं होते है।

3

(P.T.O)

CGBSE

WWW.STUDYDISCUSS.IN

2½ + 7 = 31½

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 6 के अंक कुल अंक

उत्तर क्रं ⇒ 11

गुरू ही ब्रह्मा है, गुरू ही विष्णु है, गुरू ही महादेव महेश्वर है। गुरू साक्षात परब्रह्म है, इस गुरू को नमस्कार है।

उत्तर क्रं ⇒ 12

i) उ० ⇒ भारत्यै संस्कृतव्याकरणं अतीव रोचते।

ii) उ० ⇒ साधोः शक्ति परेषां रक्षणाय भवति।

iii) उ० ⇒ मत्स्यपालनक्षेत्रे 'बिलासा थार. केवटिन' इति पुरस्कारः दीयते।

iv) उ० ⇒ दीपमालिकापर्व आसन्नं वर्तते।

(P.T.O)

CGBSE
www.STUDYDISCUSS.IN

2019 (7)

| योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 7 के अंक | कुल अंक |
| --- | --- | --- |
| 31½ | 6 | 37½ |

CBSE

उत्तर क्रं → 13

i) उ० → वृक्ष रोगो को दूर करने में सहायक होते है।

iii) उ० → विभव तीरथगढ़ प्रपात देखना चाहता है।

iv) उ० → बकरी चराने वाली बालिका ने सियार द्वारा दिए गए बड़ा - भाजिया को खा लिया।

v) उ० → व्यक्ति अत्यधिक धनाभाव से पीड़ित होने के कारण पैदल जाता है।

उत्तर क्रं → 14

i) चक्षुर्मुसलं काम उलूखलम्।

ii) ओदनेन यतवच: सर्वे लोका: समाप्या:।

(P.T.O)

www.studiestoday.in

2019 ⑧

37½ + 7 = 44½

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 8 के अंक | कुल अंक

iii) ऋतं हस्तावनेजनं कुल्योऽपसेचनम् ।

iv) तस्य ओदनस्य बृहस्पतिः शिरो: ब्रह्म मुखम् ।

उत्तर क्र → 16

i) दिनान्ते पिबेत् दुग्धम् निशान्ते च पिबेत् पयः ।
भोजनान्ते पिबेत् तक्रं किं वैद्यस्य प्रयोजनम् ॥

ii) नास्ति सत्यसम विद्यासमं चक्षुः, नास्ति सत्यसमं तपः ।
नास्ति राग समं दुःखं, नास्ति त्याग समं सुखं ॥

(P.T.O)

CGBSE
www.studiestoday.IN

2019 ⑨

| योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 9 के अंक | कुल अंक |
| --- | --- | --- |
| 43½ + | 5 | = 48½ |

CGBSE

www.studiscuss.in

उत्तर क्रं → 15 (अ)

सेवायाम्

प्राचार्य महोदयः

शास. उच्च. माध्य. विद्यालयः

राजनांदगाँव नगरे, छत्तीसगढम्

विषय : शुल्क क्षमापनार्थं प्रार्थनापत्रम् ।

महोदय,

सविनयं निवेदनम् अस्ति यत् मम पिता एकः चतुर्थश्रेणी कर्मचारी अस्ति । तस्य मासिक आयः अतीव न्यूनः अस्ति । येन परिवारस्य निर्वाहः काठिन्येन भवति । मम परिवारे माता, पिता, द्वौ भ्रातरौ एका भगिनी च इति पञ्च सदस्याः सन्ति । अतः अहं भवन्तं निवेदयामि यत् मम अध्ययन शुल्कं क्षमायतु ।

दिनाङ्कः 20.10.2018

भवदीयः शिष्यः

अनुक्रमाङ्क - स

(P.T.O)

| 48½ | + | 3 | = | 51½ |
|---|---|---|---|---|
| योग पूर्व पृष्ठ | | पृष्ठ 10 के अंक | | कुल अंक |

प्रश्न क्रं → 15 (ब)

मातृभूमि: - - - - गरीयसी ।

i) उ० → मातृभूमि: बहुविधे: विधै: अस्मान उपकरोति ।

ii) उ० → 'जननी' इति, पदस्य विलोमपदं 'नाशिनी' इति अस्ति ।

iii) उ० → मातृभूम्यै अस्माकं कर्तव्यम् यत वयं कर्मेन, मनसा, वाचा, धनेन च स्वमातृभूमे: उन्नतिं कुर्याम ।

iv) उ० → 'भवेत' इति धातौ: विधिलिङ् लकार: अस्ति ।

3

CGBSE

WWW.STUDYDISCUSS.IN

(P.T.O)

उत्तर क्रं ⇒ 17(iv)

महाकविः कालिदासः

1) महाकवि कालिदासस्य नाम अस्मिन् जगति को न जानाति ।

ii) इंग्लैण्डवासिनः तं शेक्सपीयर तुल्यं कथयन्ति ।

iii) कालिदासः विश्वस्य श्रेष्ठतमः कविः अस्ति ।

iv) सः कविकुलगुरुः । कथ्यते ।

v) सः महाराजस्य विक्रमादित्यस्य नवरत्नेषु एकः आसीत् ।

vi) तस्य विवाहः विद्योत्तमा नाम राजकन्यया सह अभवत् ।

vii) कालिदासेन रचिताः सप्तग्रन्थाः प्रसिद्धाः ।

(P.T.O)

CGBSE

www.STUDYGUIDES.IN

| 51½ | + | 6 | = | 57½ |
|---|---|---|---|---|
| योग पूर्व पृष्ठ | | पृष्ठ 12 के अंक | | कुल अंक |

viii) रघुवंशं कुमारसंभवं च द्वे महाकाव्ये स्तः ।

ix) त्रीणि नाटकानि मालविकाग्निमित्रम् विक्रमोर्वशीयम् अभिज्ञानशाकुन्तलम् सन्ति ।

(6)

x) द्वे खण्डकाव्ये अपि स्तः ऋतुसंहारं मेघदूतम् च ।

xi) शाकुन्तलं नाटकम् अनेकासु भाषासु अनूदितम् अस्ति ।

xii) सर्वाः ग्रन्थाः अत्युत्तमाः सरसाः सन्ति ।

xiii) तस्य 'उपमा कालिदासस्य' इति उक्तिः प्रसिद्धा ।

xiv) कालिदासः रससिद्धः कविः अस्ति ।

xv) सत्यमेव कविरयं मे परमप्रियः कविः अस्ति ।

(P.T.O)

CGBSE
www.studydiscuss.in

2019

13

| योग पूर्व पृष्ठ | | पृष्ठ 13 के अंक | | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|
| 57½ | + | 5 | = | 62½ |

CGBSE

उत्तर क्र → 18 (अ)

i) उ० → स) द्रुत

ii) उ० → अ) सदा + रव

iii) उ० → द) सप्तमी

iv) उ० → अ) अघ

v) उ० → ब) द्वितीया

5

(P.T.O)

WWW.STUDYDISCUSS.IN

| 674 | + | 5 | = | 679 |
|---|---|---|---|---|
| योग पूर्व पृष्ठ | | पृष्ठ 14 के अंक | | कुल अंक |

उत्तर क्र. => 18 (ब)

i) उ० => माता — गुरुतरा भूमेः

ii) उ० => एतान् वृक्षान् — आरोपितवन्तः

iii) उ० => हेमन्त - वर्णनम् — वाल्मीकिः

iv) उ० => मित्राणि — लोभात्यजति

v) उ० => मैत्रेयान - 1 — प्रथम अन्तरिक्ष विमानम्

(5)

C G B S E

WWW.STUDYDISCUSS.IN

(P.T.O)

2019 (15)

| 67½ + 5 | = 72½ | 73 |
| --- | --- | --- |
| योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 15 के अंक | कुल अंक | |

उत्तर क्रं ⇒ 18 (स)

i) उ० ⇒ से

ii) उ० ⇒ विदुषा

iii) उ० ⇒ स्व

iv) उ० ⇒ विवादेन

v) उ० ⇒ कुत्र

X X

CGBSE

WWW.STUDYDISCUSS.IN

2019 (40)

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 40 के अंक = कुल अंक 73

73/75

72

CGBSE

WWW.STUDYDISCUSS.IN